सामाजिक और राजनीतिक सुधार में गांधी की सार्वजनिक भूमिका का परिमाण ऐसा था कि, उनके विचारों और आंदोलनों पर अमेरिकी और यूरोपीय समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, पुस्तकों और रेडियो में चर्चा की गई थी। उनके काम को दुनिया भर के शीर्ष राजनेताओं और राजनेताओं द्वारा उत्सुकता से फॉलो किया गया था।गांधी पर्यावरणीय स्थिरता के अग्रदूतों में से एक थे। सर्वोत्कृष्ट गांधीवादी प्रश्न- "एक व्यक्ति को कितना उपभोग करना चाहिए?" आज भी सच है। स्थिरता का उनका मॉडल हमारे तेजी से बढ़ते और आबादी वाले राष्ट्र में प्रासंगिक बना हुआ है। औद्योगिक विकास की ज्यादतियों के खिलाफ अभियान चलाकर और इसके परिणामस्वरूप नवीकरणीय ऊर्जा और छोटे पैमाने पर सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देकर, गांधी बाद में एक जोरदार पर्यावरण आंदोलन बनने के पीछे प्रेरणा शक्ति थे।अहिंसा या अहिंसा का दर्शन गांधी का पर्याय बन गया है।

अहिंसा का उनका अभ्यास अन्य धर्मों के प्रति सम्मान और भाईचारे की भावना का विस्तार था। गांधी ने अन्याय और सत्तावादी शासन का जोरदार विरोध किया, लेकिन बिना किसी हथियार या हिंसक कार्यों के। राज्य शक्ति के मनमाने उपयोग के लिए उनका शांतिपूर्ण और मौखिक लेकिन अहिंसक विरोध आज गांधीवादी विरासत की प्राथमिक अभिव्यक्ति है।गांधी ने देश भर में महिलाओं के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सबसे उल्लेखनीय सेवा, अहमदाबाद में स्व-नियोजित महिला संघ है जो उत्पादक सहकारी समितियों में एक मिलियन से अधिक महिलाओं को संगठित करने, उन्हें बाल और मातृ स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने और आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के लिए एक सहकारी बैंक प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।